भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 701

जिसका उत्तर 07 दिसंबर, 2023 को दिया जाना है।

.....

जल निकायों का डेटा

701. डॉ. सुजय विखे पाटील:

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:

डॉ. हिना विजयकुमार गावीत:

प्रो. रीता बहुगुणा जोशी:

श्री कृष्णपालसिंह यादव:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक और मानव-निर्मित, दोनों प्रकार के सभी जल निकायों का डेटा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार के पास महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के सभी जल निकायों का पृथक डेटा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार की यह सुनिश्चित करने की कोई योजना है कि महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र जल संरक्षण स्कीमों को यथावत रखा जाए और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टुडु)

(क) और (ख): जल शक्ति मंत्रालय ने सभी जल निकायों के लिए एक राष्ट्रीय डाटाबेस विकसित करने के उद्देश्य से केन्द्रीय प्रायोजित योजना - ''सिंचाई गणना'' के अंतर्गत राज्यों के सहयोग से और छठी लघु सिंचाई गणना (संदर्भ वर्ष 2017-18) के अभिसरण में जल निकायों की पहली गणना की। राज्यों द्वारा गणना के दौरान जल निकायों के प्रकार, स्थिति, अतिक्रमण की स्थिति, उपयोग, भंडारण क्षमता आदि जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी ली गई थी और इस रिपोर्ट को मार्च 2023 में प्रकाशित किया गया था। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्यों के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्राकृतिक और मानव निर्मित जल निकायों की संख्या के बारे में जल निकायों की प्रथम गणना द्वारा से उपलब्ध सूचना **अनुलग्नक-I** में दी गई है।

(ग): जल राज्य का विषय होने के कारण जल निकायों की आयोजना, वित्तपोषण, निष्पादन और अनुरक्षण, जिसमें उनका पुनरूद्धार, कायाकल्प और संरक्षण शामिल है, का समाधान संबंधित राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। केन्द्र सरकार तकनीकी और वित्तीय सहायता के माध्यम से राज्यों के प्रयासों में सहायता करती है। भारत सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों जैसे प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन (अमृत) 2.0, ''जल शक्ति अभियान: कैच द रेन'' (जेएसए: सीटीआर) अभियान, मिशन अमृत सरोवर आदि के माध्यम से जल संरक्षण के क्षेत्र में राज्यों को केन्द्रीय सहायता प्रदान की जा रही है।

*****

अनुलग्नक-I

"जल निकायों का डेटा" के संबंध में दिनांक 07.12.2023 को लोकसभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 701 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक।

जल निकायों की पहली गणना में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्राकृतिक और मानव निर्मित जल निकायों की सूचित संख्या

राज्य	जल निकायों की संख्या								
	प्राकृतिक			मानव निर्मित			कुल		
	ग्रामीण	शहरी	कुल	ग्रामीण	शहरी	कुल	ग्रामीण	शहरी	कुल
महाराष्ट्र	565	9	574	95778	710	96488	96343	719	97062
मध्य प्रदेश	16600	493	17093	64412	1138	65550	81012	1631	82643
उत्तर प्रदेश	218639	4511	223150	21500	437	21937	240139	4948	245087

*****